

# प्रीमियम लौटाने वाली हेल्थ बीमा पॉलिसी होगी लांच

## बीमा क्षेत्र में नीतियों के स्पष्ट होने का दिखने लगा असर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पिछले कई वर्षों से नीतियों को लेकर छाई अनिश्चितता के खत्म होने का असर बीमा क्षेत्र पर दिखाई देने लगा है। बीमा कंपनियां न सिर्फ नई किस्म की पॉलिसियों को लेकर बाजार में आने को तैयार हैं, बल्कि बीमा नियामक व विकास प्राधिकरण (इरडा) के काम करने में भी तेजी आ गई है। इरडा ने कंपनियों के प्रस्तावों को धड़ाधड़ मंजूरी देनी शुरू कर दी है। इसका नतीजा यह है कि हेल्थ बीमा, पेंशन बीमा जैसे क्षेत्र में अगले दो से तीन महीनों के भीतर दर्जन भर से ज्यादा पॉलिसियां बाजार में आने वाली हैं। एक निजी कंपनी तो प्रीमियम लौटाने वाली हेल्थ बीमा पॉलिसी लांच करने जा रही है।

पीएनबी मेटलाइफ, आइसीआइसीआइ प्रू, रिलायंस लाइफ, एचडीएफसी लाइफ, बजाज अलायंस, बिडला सन लाइफ जैसी निजी बीमा कंपनियां नए उत्पादों के साथ बाजार में आने को तैयार हैं।

पीएनबी मेटलाइफ पहली बार हेल्थ बीमा में उतरने की तैयारी में है। मेटलाइफ के



### अनिश्चितता खत्म

- ◆ नई किस्म की बीमा पॉलिसियां आने लगीं बाजार में
- ◆ आरबीआइ ने भी विदेशी निवेश सीमा बढ़ाने को दी मंजूरी

एमडी व सीईओ तरुण चुग ने बताया कि उनकी कंपनी प्रीमियम वापस लौटाने वाली देश की पहली हेल्थ बीमा पॉलिसी लांच करने जा रही है। इसका नाम मेटलाइफ मेजर इलनेस प्रीमियम बैक कवर रखा गया है। इसके तहत ग्राहकों को यह सुविधा दी जाएगी कि वह 10 वर्ष तक प्रीमियम दें। अगर इस बीच वह इस पॉलिसी के तहत कोई राशि नहीं लेते हैं तो निर्धारित अवधि के बाद उन्हें पूरी की पूरी राशि वापस मिल जाएगी। यह पॉलिसी गुरुवार को बाजार में पेश की जाएगी। कंपनी की योजना कुछ रिटायरमेंट पॉलिसियां लाने की भी है, जो बिल्कुल नई किस्म की होंगी।

सिर्फ जीवन बीमा कंपनियां ही नहीं, बल्कि साधारण बीमा फर्मों भी नए किस्म की उत्पादों के साथ ग्राहकों में पैठ बनाने की तैयारी में हैं। हाल ही में इरडा ने दो साधारण बीमा कंपनियों को तीन वर्ष की परिपक्वता अवधि वाली दोपहिया वाहन बीमा पॉलिसी लांच करने की अनुमति दी है। अभी जितनी भी वाहन पॉलिसियां बाजार में हैं, उनका हर वर्ष नवीनीकरण करवाना पड़ता है। अन्य कंपनियां आवास बीमा को आकर्षक बनाने की तैयारी में हैं। दरअसल, बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) की सीमा 26 से बढ़ाकर 49 फीसद करने की वजह से भी कंपनियों में उत्साह का संचार हुआ है।